



WORK SHEET - 1

GRADE: 6

2019-20

SUBJECT: HINDI (SL)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क्रोध मनुष्य की एक साधारण प्रवृत्ति है और हम सभी में यह मौजूद रहती है। सीमा के बाहर क्रोध एक दुर्गुण का रूप ले लेता है। क्रोध की अवस्था में मनुष्य का रक्तचाप ही नहीं बढ़ जाता बल्कि व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास को भी क्रोध प्रभावित करता है। क्रोध पर नियंत्रण बहुत आवश्यक है। क्रोध पर विजय पाना बहुत कठिन नहीं है। इसके लिए धैर्य एवं अनुशासन की जरूरत होती है। सकारण और न्याय पूर्ण क्रोध से अनेक नए बिचार पैदा होते हैं। प्रयास करने से क्रोध को एक रचनात्मक दिशा दी जा सकती है। इसके लिए चाहिए कि क्रोध से उत्पन्न ऊर्जा को सार्थक कार्यों में लगाया जाए।

(क) क्रोध क्या है ?

.....

(ख) सीमा के बाहर क्रोध का क्या रूप होता है ?

.....

(ग) क्रोध पर नियंत्रण क्यों आवश्यक है?

.....

(घ) क्रोध पर नियंत्रण कैसे पाया जा सकता है?

.....

(ङ) इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए।

.....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) कवि किनकिन चीज़ों को न्योछावर करने की बात कह रहे हैं-?

(ख) 'माता के लिए मरने' का क्या तात्पर्य है?

(ग) हम कब अपने पैर पीछे नहीं हटायेंगे

घ) 'सौ झीलों का प्रदेश' कहाँ स्थित है और इसे इस नाम से क्यों पुकारा जाता है?

ड) वेन पेंग की आँखों से टप टप आँसू क्यों गिरने लगे-?

च) स्वावलंबी व्यक्ति की विशेषताओं का वर्णन कीजिए?

छ) सवेरे जब सूरज निकलता है तब वह कैसा दिखाई देता है? _____

एक विद्यार्थी के रूप में आपको क्याक्या करना चाहिए-?

सूरज और किरण की तुलना किनकिन से - की गयी है? _____

आशय स्पष्ट कीजिए यदि सभी- विद्यार्थी स्वावलंबन की शिक्षा का आचरण करें,तो वे जीवन में किसी भी क्षेत्र में असफल नहीं हो सकते हैं।

एक किरण कहाँ से आई ? वह कैसी थी ?

हरिद्वार में लेखक अपने परिवार के साथ कहाँ ठहरा था? वहाँ का प्राकृतिक वातावरण कैसा था?

दूसरे दिन लेखक व उनके परिवार के लोगों ने किनकिन स्थानों को देखा-?
